वर्षों से राष्ट्र की सेवा में समर्पित

वीर अर्जुन

ल्द: 27, अंक: 9
पृष्ठ : 12
नई दिल्ली, बृहस्पतिवा
10 मार्च 2011
मूल्य : रु. 2.00
प्रभात संस्करण

देश-विदेश

डॉ. राजेन्द्र सिंह टोंक ने लगाई डाक्टरों की 'चौपाल'

वीर अर्जुन संवाददाता

समालखा (पानीपत)। गांव समालखा, पानीपत में 'चौपाल' संस्था ने फ्री मेडिकल मेले का आयोजन किया। पिछले पांच वर्षो से डॉ. राजेन्द्र सिंह टोंक के नेतृत्व में 'चौपाल' संस्था इसी प्रकार 200 से अधिक फ्री मेडिकल कैम्प का आयोजन कर रही है। डॉ. राजेन्द्र सिंह टोंक के अनुसार, आज देश को उन्नति की ओर ले जाने के लिए गांव के गरीब और साधनहीन लोगों को स्वास्थ्य संबंधित सेवाएं मुहैया करवाना अनिवार्य है। यह लक्ष्य कुछ चुनिन्दा नेताओं और समाजसेवियों का नहीं अपितु प्रत्येक भारतवासी का होना चाहिए। आज के बदलते समाज में आवश्यक है कि हमारी 70 प्रतिशत से भी अधिक आबादी जो गांवों में स्थित है, हम उन्हें सुविधाएं उपलब्ध करवाएं ताकि उन्हें शहरों पर निर्भर न होना पड़े। इसी उद्देश्य को लेकर आगे बढ़ रही है 'चौपाल' संस्था। चौपाल के जरिये डॉ. टोंक लोगों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी देते हैं। किस प्रकार पांच रुपये की साबुन की टिकिया का इस्तेमाल कर, खाना खाने से पहले एवं शौच के पश्चात हाथ धोकर आंत्रशोथ, हैजा एवं अन्य संक्रमणों से बचा जा सकता है। ऐसी सरल पर महत्वपूर्ण जानकारी दे डॉ. टोंक ने छोटे स्कूली छात्रों को व्यक्तिगत स्वच्छता का ज्ञान दिया। कैम्प के दौरान 1800 मरीजों की जांच की गई और ईसीजी, अल्ट्रासाउंड, खून की जांच, आंखों की जांच, दंत चिकित्सा एवं स्त्री रोग, बाल रोग, हड्डी रोग चिकित्सक इत्यादि ने गांववासियों की बीमारियों का इलाज कर मुफ्त में दवाई दी। 200 से अधिक लोगों को मुफ्त में नजर के चश्मे भी बांटे। डॉ. राजेन्द्र सिंह टोंक का मानना है कि जब तक ग्रामीणवासियों को सशक्त नहीं बनाया जाएगा तब तक देश प्रगति नहीं कर पाएगा। कैम्प के दौरान भी डॉ. टोंक ने ग्रामीणवासियों से अपील की कि वह समाज में बसी कुप्रथाएं–भ्रूण हत्या, नशे की लत, हुक्का सेवन, गृह क्लेश को पीछे छोड़ एकजुट होकर प्रेम से रहें, चौपाल के साथ जुड़कर जनसेवा में जुट जाएं। न सिर्फ अपना अपितु अपने पड़ोसी की भी मदद करें। जब देश का हर एक नागरिक ऐसी सोच रखेगा तब हम प्रगतिशील देश में गिने जाएंगे। कैम्प में चौपाल संस्था की संचालिका डॉ. मोनिका पुरी ने भी महिला वर्ग को 'स्वस्थ जच्चा–स्वस्थ बच्चा' इसके लिए प्रेरित किया कि महिलाएं गर्भधारण से पहले ही अपने स्वास्थ्य की देखभाल करें तो कुपोषित बच्चे जन्म ही नहीं लेंगे और नवजात शिशु भी स्वस्थ होगा और बीमारियों से लड़ने की क्षमता भी अच्छी होगी। चौपाल के माध्यम से आई स्वास्थ्य संबंधित जानकारी से गांववासी अत्यंत प्रसन्न थे और गद्गद् दुवाएं दे चौपाल टीम को फिर आने का न्यौता दिया।

समालखा (पानीपत) में चौपाल संस्था द्वारा आयोजित फ्री मेडिकल मेले में आगन्तुकों को सम्बोधित करते हुए नई स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. राजेंद्र सिंह टोंक।